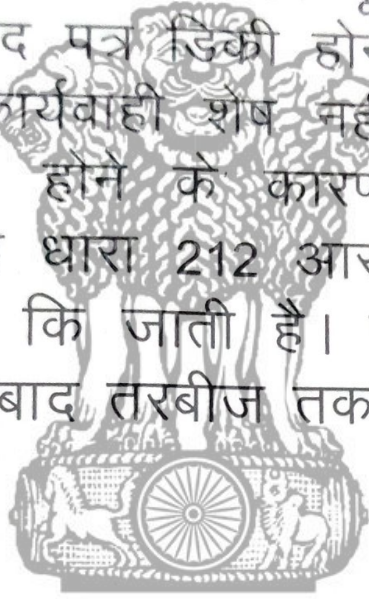


12.042024:—आज पत्रावली पेशी मे आई। प्रार्थी वकील उपरिस्थ। वादी का मूल वादपत्र डिकी हो गया। मूल वाद पत्र डिकी होने के कारण प्रार्थना-पत्र मे कोई कार्यवाही शेष नहीं रह जाती। मूल वादपत्र डिकी होने के कारण प्रार्थी उक्त प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.ए. मे वर्तमान स्तर पर खारिज कि जाती है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरबीज तकमील दाखिल दफ्तर हो।



सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official

*Devy*  
सहायक कलक्टर  
एवं उपखण्डाधिकारी  
हनुमानगढ़

